ISSN Print: 2394-7500
ISSN Online: 2394-5869
Impact Factor: 8.4
IJAR 2015; 1(12): 1111-1115
www.allresearchjournal.com
Received: 15-09-2015
Accepted: 18-10-2015

Dr. Sima Kumari
Designation - 10+2 Teacher,
Department Geography,
School - High School (10+2),
Paliganj, Patna, Bihar, India

Corresponding Author:
Dr. Sima Kumari
Designation - 10+2 Teacher,
Department Geography,
School - High School (10+2),
Paliganj, Patna, Bihar, India

रोहतास जिले में मानव संसाधनों के विकास में शिक्षा तथा स्वास्थ्य सुविधाओं के योगदान का एक भौगोलिक अध्ययन

Dr. Sima Kumari

सारांश
इस अध्ययन में मानव संसाधनों के विकास का आंकलन शिक्षा तथा स्वास्थ्य के आधार पर किया गया है जिसके अंतर्गत अध्ययन क्षेत्र बिहार राज्य के रोहतास जिले के उपर्युक्त संसाधनों का चयन किया गया है ताकि इस क्षेत्र में मानव संसाधनों के विकास को समझ पाना आसान हो सके । इस बात की यह समीक्षा करता है की किसी भी क्षेत्र की जनसँख्या उस क्षेत्र के संसाधनों को प्रभावित करने के आलावा सतत विकास की और अग्रसर भी करती है अतः दशकीय वृद्धि में मानव संसाधनों के विकास की दर भी जनसंख्या वृद्धि और उसके घनत्व से प्रभावित होती रहती है। [6]

मूल शब्द- मानव संसाधन, शिक्षा, स्वास्थ्य, टी एन छाबड़ा, रोहतास

प्रस्तावना
बिहार राज्य प्राचीन काल से ही काफी समृद्ध क्षेत्र रहा है परंतु वर्तमान में मानव संसाधन की गुणवत्ता में सुधार किया जाना अति आवश्यक है और शिक्षा व स्वास्थ्य इसी आयाम के दो पहलू हैं इस अध्ययन के माध्यम से इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया गया है जहां एक और विकास हमारा ध्येय है वहीं दूसरी ओर यह समझना भी आवश्यक है कि बिहार के जिलों में विकास की गति कैसी है तथा विकास के विभिन्न सूचकों में से शिक्षा तथा स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति आवश्यकता अनुरूप कैसी है।
मानव समस्त विकास प्रक्रमो का आधार है । मानवीय संसाधन मानव की अनुपस्थिति में अर्थ विहीन है। मानव ही संसाधनों का जन्मदाता तथा उपभोग कर्ता है।
मनुष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु संसाधनों का माननीय स्वरूप में परिवर्तन मानव संसाधनों के अधिकार क्षेत्र में समाहित हो जाता है। मानव इनका उत्पादन तथा विनिमय अपनी बौद्धिक क्षमता, शिक्षा तथा तकनीकी परिणामों के आधार पर करता है। अतः मानवीय संसाधनों का विकास सम्पूर्ण मनुष्य जाति के नियमित क्रियाकलापो तथा उपलब्धियों का द्योतक है । टी एन छाबड़ा का मत है कि मानव संसाधन विकास एक नवीन अवधारणा है जिसकी उत्पत्ति 1970 के दशक के मध्य हुई।

1980 से 1990 के मध्य इसे पर्याप्त लोकप्रियता मिली । भारत में भी 1985 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की स्थापना की गई समष्टि तथा व्यष्टि दोनों ही स्तरों पर इस धारणा का प्रयोग किया जाता है। जहां प्रथम में इसका अभिप्राय एक राष्ट्र के नागरिकों की जीवन स्तर की गुणवत्ता से संबंधित सभी विकास कार्यों से है। वहीं द्वितीय से अभिप्राय एक संगठन में कार्यरत कार्मिको एवं प्रबंधकों के विकास से है ताकि उत्पादन तथा गुणवत्ता में वृद्धि हो सके ।

Zimmerman ने संसाधन शब्द की परिभाषा देते हुए लिखा है कि संसाधन माननीय वातावरण के वह पहलू हैं जो मानवीय आवश्यकताओं की आपूर्ति तथा सामाजिक उद्देश्यों की प्राप्ति में सहयोग प्रदान करते हैं [2]

अध्ययन उद्देश्य -

इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य रोहतास जिले के मानवीय संसाधनों का मूल्यांकन तथा क्षेत्रीय विकास का नियोजन है। रोहतास जिले में मानवीय संसाधनों के मुख्य स्रोतों की भौगोलिक समझ तथा उनका वितरण इस अध्ययन को आधार प्रदान करता है शिक्षा तथा स्वास्थ्य सुविधाओं में को आधार मानते हुए मानव संसाधनों के विकास के संबंध में आंकलन किया गया है इस अध्ययन में द्वितीयक स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग किया गया है। अध्ययन क्षेत्र में दशकीय वृद्धि इस अध्ययन के परिणामों के रूप में अंतर्निहित है।

अध्ययन क्षेत्र -

10 नवंबर 1972 ईस्वी में गठित यह जिला भारतीय मानचित्र में 24°30' से 25°20' मिनट उत्तरी अक्षांश तथा 53°14' मिनट से 53^{0}20'मिनट पूर्वी देशांतर के मध्य स्थित है । 107.78 मीटर समुद्र तल से ऊंचाई पर स्थित यह जिला 3847.82 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में विस्तृत है। इसके उत्तरी दिशा में भोजपुर और बक्सर जिला, दक्षिण में पलामू और गर्वाह जिला, पूर्वी सीमा पर औरंगाबाद और गया जिला तथा पश्चिमी सीमा पर कैमूर जिला स्थित है।

वर्ष 2011 की जनगणना के मुताबिक इस क्षेत्र की कुल जनसंख्या 29,62,593 है, जिसमें पुरुष जनसंख्या - 15,46,839 तथा महिला जनसंख्या - 14,14,857 है। प्रति 1000 पुरुषो पर 924 महिलाये है। सम्पूर्ण जिले की कुल आबादी का 75.29 प्रतिशत साक्षर है [1]

तालिका 1: Source- Rohtas.nic.in

1	अनुमंडल -	3
2	प्रखंड	19
3	अंचल	19
4	नगर परिषद / नगर पंचायत -	7
5	ग्राम पंचायत -	245
6	गांव की संख्या -	2072

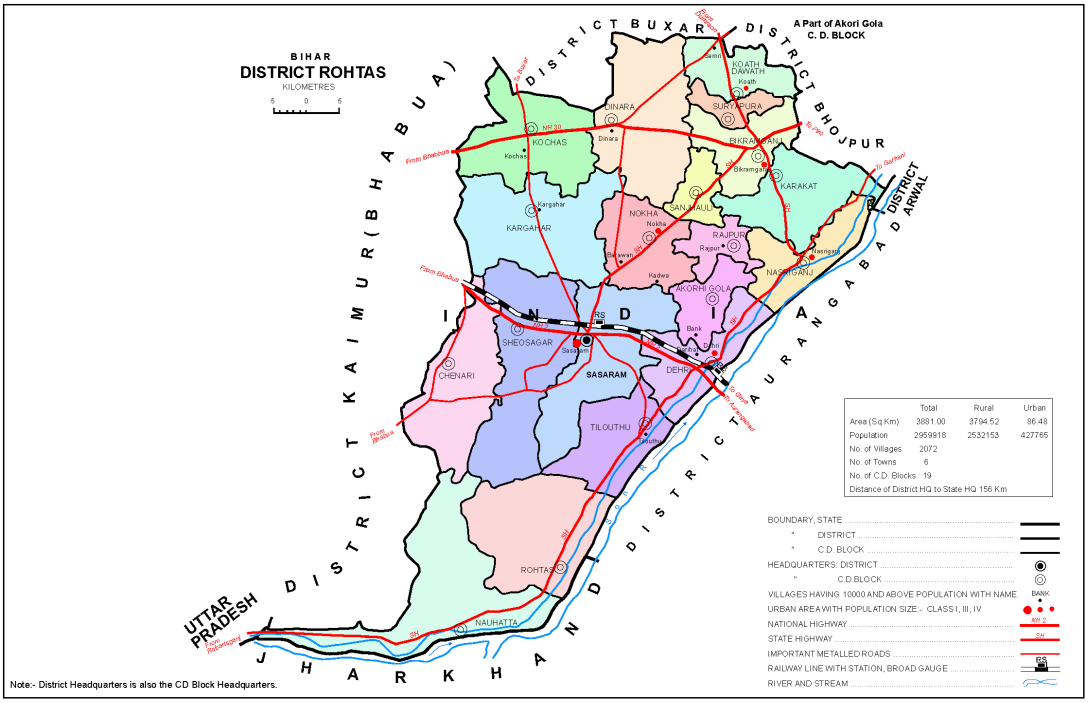

चित्र १: रोहतास जिले का नक्शा

अध्ययन क्षेत्र रोहतास जिले की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित है धान गेहूं और दाल यहां की प्रमुख फसलें हैं इस जिले को बिहार का धान का कटोरा भी कहा जाता है डालमियानगर रोहतास जिले का औद्योगिक केंद्र है।

विश्लेषणात्मक अध्ययन

रोहतास जिले में मानव संसाधन विकास

जनसंख्या एवं संसाधनों का अध्ययन वर्तमान समय की आवश्यकता को प्रदर्शित करता है क्योंकि किसी भी क्षेत्र की प्रगति उस क्षेत्र की जनसंख्या तथा उपलब्ध संसाधनों से मापी जा रही है अतः जनसंख्या का अध्ययन भौगोलिक अध्ययन का केंद्र बिंदु है । [3] मानव स्वयं संसाधनों का उपभोक्ता तथा स्वयं संसाधन भी है इस दृष्टि से इस अध्ययन में जनसंख्या के विभिन्न पक्षों का अध्ययन किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र जिला रोहतास में रोहतास की जनसंख्या संबंधी विशिष्टता तथा संसाधनों से संबंधित विभिन्न पक्षों का अध्ययन एवं विश्लेषण कर इनके मध्य के अंतर संबंधों की व्याख्या करते हुए जनसंख्या एवं संसाधनों से जुड़े समस्याओं को प्रकाश में लाना प्रस्तुत अध्ययन का प्रमुख औचित्य है।

रोहतास जिले में जनसंख्या के आंकड़ों का अध्ययन करने हेतु द्वितीयक आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है । वर्ष 2011 की जनगणना को आधार मानते हुए क्षेत्र के 3 अनुमंडलों के अन्तर्गत आने वाले 19 प्रखंडों की जनसंख्या का विश्लेषण किया गया है । जिसे तालिका -2 से समझा जा सकता है ।

तालिका 2: रोहतास जिले में जनसंख्या

	प्रखंड का नाम	जनसंख्या
1	कोथ	170025
2	दिनारा	225468
3	दावथ	89565
4	सूर्यपुरा	57539
5	बिक्रमगंज	163565
6	काराकाट	209284
7	नसरी गंज	115117
8	राजपुर	75213
9	संजौली	62621
10	नोखा	146025
11	करगहर	225082
12	चेनारी	131528
13	नोहटा	94065
14	शियो सागर	176 0 80
15	सासाराम	210 817
16	अकोढ़ी गोला	120145
17	तिलौथू	109249

रोहतास जिले में मानव संसाधन विकास में स्वास्थ्य / चिकित्सा संसाधन -

मानव संसाधनों में स्वास्थ्य अथवा चिकित्सा प्रणाली का प्रभाव सर्वविदित है अतः रोहतास जिले के मानव संसाधन के विकास के संबंध में आकलन करने हेतु अध्ययन क्षेत्र की स्वास्थ्य स्थितियों का आकलन बेहद आवश्यक है अतः इस क्षेत्र के स्वास्थ्य स्तर का का विश्लेषण करने के लिए तालिका 3 में दिए गए आंकड़ों को आधार बनाया गया है।

तालिका - 3: स्वास्थ्य संसाधन

क्रम संख्या	स्वास्थ्य सेवाए	कुल संख्या
1	सदर अस्पताल	1
2	अनुमंडल अस्पताल	2 बिक्रमगंज और डेहरी
3	रेफरल अस्पताल	2 नासरीगंज और नोहटा
4	प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र	19
5	सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र	4
6	स्वास्थ्य उप केंद्र	259
7	अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र	32

तालिका 3 में दिए गए आंकड़े रोहतास जिले कि स्वास्थ्य सुविधाओं की संख्या को प्रदर्शित करते हैं इनके अध्ययन से यह कहा जा सकता है कि जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं का भी विकास हुआ है अथवा मानवीय संसाधनों की स्रोत स्वास्थ्य अथवा चिकित्सा सेवाएं संपूर्ण रुप से परिपक्वता की दिशा में आगे बढ़ रही है । जबकि 2001 की जनगणना से तुलनात्मक अध्ययन स्वास्थ्य सुविधाओं में वृद्धि को प्रदर्शित करता है।

वर्ष 2001 में जिले की मात्र 5 प्रखंडों कोचस, बिक्रमगंज, नोखा, सासाराम तथा डेहरी में ही स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध थी । परंतु दशकीय वृद्धि में इन स्वास्थ्य सुविधाओं में परिवर्तन आया है जिसके फलस्वरूप रोहतास जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं की संख्या में भी वृद्धि हुई है। परंतु मानवीय संसाधनों की सूचक स्वास्थ्य सुविधाओं में वर्तमान में और विकास करने की अति आवश्यकता है।

रोहतास जिले में मानव संसाधन विकास में शिक्षा संसाधन

शिक्षा मानव संसाधन का प्रमुख आधार है शिक्षा की अनुपस्थिति में मानव की बौद्धिक क्षमता का विकास असंभव होता है अतः किसी भी क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था जितनी अधिक परिपक्व होगी वह क्षेत्र उतना ही विकसित होगा। रोहतास जिले में मानवीय संसाधनों के अंतर्गत शिक्षा व्यवस्था का आंकलन इस अध्ययन को आधार प्रदान करता है रोहतास जिले में सभी प्रखंडों के विद्यालयों की कुल संख्या के आधार पर शिक्षा व्यवस्था को वर्गीकृत किया गया है जिसे तालिका 4 द्वारा प्रदत्त आंकड़ों के आधार पर समझा जा सकता है।

तालिका 4: शिक्षा संसाधन

क्रम संख्या	विद्यालय	कुल संख्या
1	प्राथमिक विद्यालय	1270
2	माध्यमिक विद्यालय	798
3	उच्च विद्यालय	246
4	संस्कृत बोर्ड से संबंधित विद्यालय	15
5	मदरसा बोर्ड से संबंधित विद्यालय	03
6	शिक्षा प्रखंड	19

तालिका 4 के आंकड़ों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि रोहतास जिले की कुल जनसंख्या पर 2351 विद्यालय संचालित हैं अतः वर्ष 2011 की जनगणना के मुताबिक इस क्षेत्र की साक्षरता दर 73.37% है जो कि वर्ष 2001 में 61.28% थी ।

लिंग के आधार पर यह साक्षरता दर पुरुषों में 82.88% तथा महिलाओं में 62.97% है जो कि वर्ष 2001 की जनगणना के मुताबिक पुरुषों की साक्षरता दर 75.93% तथा महिलाओं की साक्षरता दर 45.69% थी ।

रोहतास जिले की कुल साक्षर आबादी 1799832 है जिसमें से पुरुष आबादी 1061783 है तथा महिला आबादी 738049 है जबकि वर्ष 2001 में कुल साक्षर आबादी 1205287 थी । द्वितीयक स्रोत से प्राप्त इन आंकड़ों का अध्ययन मानव संसाधनों के विकास में शिक्षा व्यवस्था की महती योग्यता को प्रदर्शित करता है ।

तालिका 5: रोहतास जिले में साक्षरता दर

क्रम संख्या	प्रखंड का नाम	साक्षरता दर
1	कोचस	61.9%
2	दिनारा	58.7%
3	दवाथ	58.5%
4	सूर्यपुरा	59.5%
5	बिक्रमगंज	62.5%
6	काराकाट	61.6%
7	नासरी गंज	60%
8	राजपुर	62.9%
9	संझौली	63.3%
10	नोखा	60%
11	करगहर	62.7%
12	चेनारी	57.5%
13	नोहटा	52%
14	शिव सागर	58.4%
15	सासाराम	63%
16	अकोढ़ी गोला	60.3%
17	तिलौथू	58.9%
18	रोहतास	54.8%
19	डेहरी	65.8%

तालिका -5 के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जिले की 19 प्रखंडों में साक्षरता दर में वृद्धि हुई है जिसका मूल कारण शिक्षा के प्रति लोगो की जागरूकता तथा सरकारी

प्रयास है। वर्ष 2001 की साक्षरता की तुलना में 2011 के आंकडे रोहतास जिले की शिक्षा के क्षेत्र में हुए परिवर्तनो के विकास को प्रदर्शित करते है। शिक्षा मानव जीवन के अनिवार्य पक्ष के रूप में उभरती जा रही है। जिले का डेहरी प्रमंडल सबसे अधिक साक्षरता वृद्धि वाला प्रमंडल है जहा सर्वाधिक 65.8 % वृद्धि हुई है इसके बाद अन्य प्रमण्डलो में भी शिक्षा के प्रति लोगो की जागरुकता ने पिछले दशकों की तुलना में बेहतर परिवर्तन किया है। अतः यह कहा जा सकता है कि अपनी क्षेत्रीय भौगोलिक विषमताओं के फलस्वरूप भी इस क्षेत्र की साक्षरता दर में वृद्धि आयी है जिससे मानव संसाधनों का विकास भी संभव हो सका है।

निष्कर्ष

इस अध्ययन के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है की रोहतास जिले में संसाधनों का विकास जिले के आर्थिक विकास में भी अहम भूमिका का निर्वहन करता है। शिक्षा तथा स्वास्थ्य स्तर पर किया गया यह आंकलन इस दिशा में संकेत देता है की क्षेत्र की आर्थिक उन्नति हेतु समुचित दिशा में और तीव्र विकास करने की आवश्यकता है ताकि रोहतास जिले में मानव विकास को सर्वोपरि बनाया जा सके। ग्रामीण परिवेश में रूपरेखा तैयार करते कार्य करने की आवश्यकता है ताकि ग्रामीण क्षेत्रो में भी मानव संसाधन विकास की श्रंखला को आगे बढ़ाया जा सके। केंद्र तथा राज्य सरकारों को भी दिशा में जनजागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है साथ ही प्रभावी क्रियान्वयन किये जाने की दिशा में बल देना चाहिए।

सन्दर्भ सूची

1. Series-11 Part XII-B, District Census Handbook, Rohtas.
2. Zeemarman EW. WORLD Resources and industries, New York, 1957.
3. Ghosh Santwamna. “Population of bihar” A geographical Analysis, Meenakshi Prakashan, Meerut, 1973.
4. Series-11 Part XII-B, District Census Handbook, Rohtas
5. Series-11 Part XII-B, District Census Handbook, Rohtas.
6. के. एस. गुरूपंच, एम. एस. साहू. मानव संसाधन विकास के सामाजिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक, भौगोलिक एवं पर्यावरणीय आयाम. Int J Ad Social Sciences 2014;2(4):213-216.